an>

title: Regarding the issue of migration from Jharkhand.

श्री निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : सभापति महोदय, मैं जिस इलाके - संथाल परगना, झारखण्ड से आता हूं, वहां 75 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं। उसकी स्थिति बुंदेलखण्ड और लातूर से भी ज्यादा खराब है। वहां की 70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं एनीमिक हैं, 69-70 प्रतिशत बच्चे एनीमिया के शिकार हैं, कुपोÂषण के शिकार हैं। वहां एक भी उद्योग-धन्धा नहीं है। हमारा कोयला पंजाब चला जाता है, बिहार चला जाता है, बंगाल चला जाता है। हमारा पानी बंगाल चला जाता है। मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से आगृह है कि जिस तरह आपने बुंदेलखण्ड के लिए पैकेज दिया है, कालाहांडी का पैकेज दिया है, उसी तरह से संथाल परगना के लिए विशेÂष पैकेज दें। वहां पहले से ही एक अल्ट्रा मेगा पावर प्लांट घोÂिषत है, पिछले तीन साल से वह सैंक्शन्ड है, लेकिन शुरू नहीं हो पा रहा है। झारखण्ड सरकार वहां एम्स देना चाहती है, उसके लिए लैण्ड दे दी गयी है, आज भी मंत्री जी ने आश्वासन दिया है कि झारखण्ड एक्टिव कंसीडरेशन में है तो वहां एम्स की स्थापना हो क्योंकि कैंसर और टी.बी. के सबसे ज्यादा मरीज वहां हैं।

सभापति महोदय, सबसे बड़ी बात यह है कि दिल्ली कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरीडोर, जो संथाल परगना को क्रॉस करने वाला था, जसीडीह और मधुपुर से क्रॉस करने वाला था, उसके एलाइनमेंट को इन्होंने बख्तियारपुर से बदल दिया है और अब उसे हजारीबाग होकर ले जा रहे हैं। वह इलाका पहले से फर्टाइल और डेवलप्ड है, मैं नहीं कहता हूं कि उस इलाके का विकास न हो, लेकिन धनबाद, हजारीबाग या कोडरमा आदि का पहले से डेवलपमेंट हुआ है, लेकिन हमारा यह इलाका काफी पिछड़ा हुआ है और बिहार का भी कुछ इलाका है-जमुई, बांका और भागलपुर से सटा हुआ इलाका। मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि दिल्ली कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरीडोर का जो एलाइनमेंट बदल दिया गया है, उसे संथाल परगना होकर ही ले जाया जाए। अगर यह कॉरीडोर बन जाता है तो निश्चित तौर पर उद्योग-धन्धे लगेंगे, वहां से लोग विस्थापन नहीं करेंगे, वहां के लोग पलायन नहीं करेंगे और वे जो बेदर्दी एवं गरीबी की जिन्दगी जी रहे हैं, उससे उनको मुक्ति मिल सकेगी। धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON:

Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shri Nishikant Dubey.